ACHARYA SHREE SURENDRASURISHWARJI JAIN TATVA GYANSHALA

12, SHREYANSNATH SOCIETY, B/H DHARNIDHAR TEMPLE,
GODAVARI ROAD, VASANA, AHMEDABAD-7

Book Issue Slip

Member No. : 1025 **Mobile Number :** 9428502456 **Receipt No. :** A0172
Member Name : पू.आचार्य भ. विजय जगचंद्रसूरीश्वरजी म.सा. **Total Issued :** 643
Address : 11, भुवनेश्वरपार्क सोसायटी, नारणपुरा क्रोसींग, नारणपुरा
Issue Date : 05/07/2022 **Last Date :** 03/10/2022

Vargank No.	Kruti Name
AL05688	क्यारे थसे मरा भवनो रे अंत
AC04526	कुमार विहार शतकम् (मूल अवचूरि भावार्थ विशेषार्थ सहितम्)
AC04913	समतामहोदधि महाकाव्यम् (पंन्यासप्रवर पद्मविजयगणिवराणां जीवनचरितम् गूर्जरभावानुवादविभूषितम्)
AC06878	विश्व संचालननो मूलाधार
AC06874	समर्पणम्
XB01287	ईसिभासियाईं (ऋषिभाषितामि)
XA04365	जैन विद्या के विविध आयाम (खंड-7)
AC03448	व्याप्ति पंचक माथुरी गुजराती विवेचन
AB01279	जैन विद्या के आयाम (ग्रथांक-1) (लाला हरजसराय स्मृतिग्रंथ)
AB01256	जैन विद्या के आयाम भाग-2
AB00939	पंचम तीर्थपति सुमतिनाथ जिनेश्वर चरित्र चरम भव वर्णन स्वरूप भाग - 2
AB00633	जैन विद्या के आयाम खंड-2
AB03662	गुरूगुणषटिंत्रशत्षटिंत्रशिकाकुलकम् (भाग-3, प्रेमीयवृत्तितद्गुर्जरभाषानुवादसमलंकृतम्)
AB03661	गुरूगुणषटिंत्रशत्षटिंत्रशिकाकुलकम् (भाग-2, प्रेमीयवृत्तितद्गुर्जरभाषानुवादसमलंकृतम्)
AB03660	गुरूगुणषटिंत्रशत्षटिंत्रशिकाकुलकम् (भाग-1, प्रेमीयवृत्तितद्गुर्जरभाषानुवादसमलंकृतम्)
AB04097	योगसार भाग-1 (गुर्जर भाषानुवाद)
AB04098	योगसार भाग-2 (गुर्जर भाषानुवाद)

Notes : KUWALA
AB - B Size Books,वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद,AB - B Size Books,वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद,AB - B Size Books,वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद,AB - B Size Books,वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद,XA - जैन धर्म-दर्शन विभाग, वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद,AB - B Size Books,वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद,AB - B Size Books,वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद,XB - आगम विभाग, वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद,AC - C Size Books,वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद,AC - C Size Books,वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद,AC - C Size Books,वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद

Book Received By Book Issue By

संस्थाना नियमो :
1) संस्थाना पुस्तको फक्त मेम्बरने ज आपवामां आवशे.
2) पुस्तक 90 दिवसमां परत करवानुं रहेशे, कदाच वधारे समय राखवानुं थाय तो 90 दिवस बाद रिन्यु करावबु अनिवार्य छे.
3) पुस्तक फाटी के खोवाय जाय तो वाचके संस्था नक्की करे तेटलो दंड भरवानो रहेशे. दंडनी रकम पुस्तकनी छापेली किंमत करता वधु होई शके छे.